>

Title: Need to enhance the recommendatory quota of MPs for grant of financial relief from Prime Minister's Relief Fund for critically ill patients.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि पांच दिन बाद लाटरी में मेरा नाम निकला और आपने मुझे बोलने का मौका दिया। गम्भीर रूप से बीमार व्यक्तियों को, जैसे कैंसर, एड्स, हार्ट, गुर्दा, किडनी का कहीं से पैसा नहीं मिलता है। सिर्फ प्रधानमंत्री राहत कोष एकमात्र साधन है, जहां से पैसा मिलता है। हमने देखा है कि हमें चिट्ठी भेज दी जाती है कि आपके 24 मामलों में पैसा दे दिया गया है और अब राहत कोष में पैसा नहीं है, आपका कोटा पूरा हो गया है। मैं पूछना चाहता हूं कि गरीब आदमी क्या कर सकता है। वह राम-राम जप कर परलोक सिधार जाए, सिर्फ यही हो सकता है। यह वेलफेयर स्टेट है, कल्याणकारी राज्य में हर नागरिक की बात कांग्रेस पार्टी और यूपीए की सरकार करती है। आम आदमी को अगर गंभीर बीमारी के लिए पैसा चाहिए, तो हमें चिट्ठी मिलती है कि आपका कोटा पूरा हो गया है। हम चाहते हैं कि अगर प्रधानमंत्री राहत कोष में धन की कमी है, तो हम सांसदों से पैसा ले लें, हम सभी सांसद पैसा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस तरह का काम न किया जाए कि गरीब मरता रहे।

मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि इतना विलम्ब से पैसा मिलता है, तब तक बहुत से मरीज परलोक सिधार जाते हैं। मैं चाहता हूं कि अगर इनके पास चिकित्सा हेतु धन की कमी है, तो सरकार वैकल्पिक व्यवस्था करे। राष्ट्रीय चिकित्सा राहत कोष बनाए। महोदया, जब मुलायम सिंह जी मिनिस्टर थे, तब इन्होंने भरपूर पैसा दिया था। मैं चाहता हूं कि उसी तरह की व्यवस्था पूरे देश में लागू हो। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदया :

श्रीमती सुस्मिता बाउरी,

शेख सैदुल हक़,

श्री पुलीन बिहारी बासके और

श्री राजेन्द्र अग्रवाल अपने को इस विषय से सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री तूफानी सरोज (मछलीशहर): इसमें कोटे वाली लिमिट खत्म कराई जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री रवनीत सिंह, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उन्हें बोलने दीजिए, वह नये मैम्बर हैं। आप नये मैम्बर को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपने आपको इस विषय से एसोसिएट कर लीजिए।

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : वह नये मैम्बर हैं, आप उन्हें बोलने दीजिए। आप बैठ जाइये। आप नये सदस्य को बोलने दीजिए। आप अपने आपको इससे सम्बद्ध कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश प्रसाद जी, वह एक नये सदस्य बोल रहे हैं। आप जरा सुन लीजिए।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Madam, what the hon. Member Shri Rewati Raman Singh brought to the notice of the House is a very serious matter. I will convey the sentiments of the House to the hon. Prime Minister. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश प्रसाद जी, अब आप बैठ जाइये।